

प्रेषक,

एल०एम० पन्त,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी  
नगर पंचायत, उत्तरांचल  
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 18 जनवरी, 2006

**विषय:-**राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 में नगर पंचायतों को से धनराशि का संक्रमण (चतुर्थ तिमाही हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रथम राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 31 नगरपंचायतों को संलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 की चतुर्थ किश्त हेतु रु० 12834000.00 (रु० एक करोड़ अट्ठाईस लाख चौतीस हजार मात्र) की धनराशि संक्रमिता किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:-

(1) नगर पंचायतों को कुल देय वार्षिक धनराशि से 30 प्रतिशत अंश रोका गया है जो प्रतिवेदन के प्रस्तर 21.5 के अन्तर्गत प्रस्तर 22.5 व 22.6 के अनुसार राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की संस्तुति पर अवमुक्त किया जायेगा। शेष 70 प्रतिशत अंश को 4 समान तिमाही किश्तों में अवमुक्त किया जायेगा। तदनुसार चतुर्थ किश्त अवमुक्त की जा रही है।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये वित्त सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जाएगा जिसके लिए संक्रमित की गई है। इस धनराशि से व्यावसायिक/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेगा तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होगा। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउण्डर सख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी / वित्त नियंत्रक / मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।



3-लेखा परीक्षा शुल्क की पंचायतों पर अवशेष शुल्क को 3 समान किश्तों में सम्बंधित निकाय को संक्रमित की जाने वाली धनराशि से काट कर लेखा परीक्षा निदेशालय को भुगतान करने का निर्णय लिया गया है। तदनुसार द्वितीय किश्त के रूप में संलग्नक के कालम संख्या-4 में काटी गई धनराशि दर्शायी गई है।

4-इस सम्वन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं की क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन- आयोजनेत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगरपंचायत/ नोटीफाइट एरिया/ कमेटी आदि-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करो से समनुदेशन-00 -20-सहायक अनुदान/ अशदान/राज्य सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

(एल०एम० पन्त)  
अपर सचिव

संख्या:- 66 (1)/XXVII(1)/2006 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तरांचल।
- 3- निदेशक शहरी स्थानीय निकाय, निदेशालय, देहरादून।
- 4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 5- निदेशक, कोषागार, वित्त सेवाएँ, देहरादून।
- 6- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी उत्तरांचल।
- 7- विभागीय अधिकारी / वित्त नियंत्रक / मुख्य / वरिष्ठ लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 8- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 9- एन० आई०सी० सचिवालय, उत्तरांचल, देहरादून।

आज्ञा से,

18/1/2006  
(एल०एम० पन्त)  
अपर सचिव

नगर पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2005-06 में प्रथम राज्य कित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुक्रम चतुर्थ किशत हेतु संक्रमित धनराशि का विवरण

(धनराशि हजार में)

चतुर्थ किशत हेतु

अवधि धनराशि

क्र० सं०	नगर पंचायत का नाम/जनपद	
1	2	3
1	बड़कोट	40
2	गंगोत्री	
3	बदीनाथ	
4	कैदातनाथ	
5	नन्दप्रयाग	3
6	कर्णप्रयाग	4
7	रुद्रप्रयाग	6
8	गोवर	4
9	मुनिशीरी	4
10	कीर्तिनगर	3
11	देवप्रयाग	3
12	धरमा	4
13	जोईवाला	4
14	हरबटपुर	5
15	कातादुंगी	3
16	भीमताल	1
17	लालकुआ	1
18	दिनेशपुर	4
19	सुल्तानपुर	4
20	कैलाशखंड	4
21	शक्तिनगर	1
22	महुआखंड	1
23	महुआखंडगंज	4
24	हारासोट	1
25	डीडीहाट	1
26	घानगुला	1
27	सम्पावत	1
28	सोहागाट	1
29	सुपरेडा	1
30	लण्डौरा	1
31	लक्षार	1
	योग:-	12

(रु० एक करोड़ अठ्ठाईस लाख चौतीस हजार मात्र)

(एलेअण्ड पन्त)

अपर सचिव